ब्रिक्स के कृषि मंत्रियों की ग्यारहवीं बैठक की संयुक्त घोषणा

1. हम, ब्राजील के संघीय गणराज्य, रूसी संघ, भारत गणराज्य, चीन जनवादी गणराज्य और दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के कृषि मंत्री वर्चुअल रूप से 27 अगस्त 2021 को " खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए कृषि जैव विविधता को मजबूत करने के लिए ब्रिक्स साझेदारी" के तहत आयोजित ग्यारहवीं बैठक में शामिल मिले थे।

2. ब्रिक्स देश खाद्य और कृषि में बहुपक्षवाद की अग्रणी भूमिका को पहचानते हैं और सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र 2030 कार्यसूची के कार्यान्वयन के लिए हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं और ध्यान दें कि यह मानते हुए कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास महत्वपूर्ण है, भूख और गरीबी की समाप्ति के लिए ब्रिक्स देश 2030 के सतत विकास लक्ष्यों के उद्देश्यों को प्राप्त करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तत्पर हैं ।

3. हम सभी देशों के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण के महत्व को समझते हैं। इसलिए हम कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय तंत्र को मजबूत करने के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण में वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

4. हम ब्रिक्स देशों में मजबूत कृषि अनुसंधान आधार और ज्ञान का दोहन और साझा करने, कृषि जैव विविधता को यथावत रखते हुए, और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करते हुए विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन की स्थिति में उन्नत उत्पादकता के लिए बेहतर समाधान प्रदान करने के लिए प्रयोगशाला से भूमि तक प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करने की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं।

5. ब्रिक्स ने कृषि अनुसंधान, विस्तार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, सूचना और नीति के आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं के साझाकरण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मौलिक कृषि सूचना विनिमय प्रणाली और ब्रिक्स कृषि अनुसंधान प्लेटफॉर्म विकसित किया है। हम बीएआईईएस तथा एआरपी को सहयोग और प्रोत्साहन देने का अपना इरादा व्यक्त करते हैं।

6. हम ब्रिक्स देशों के कृषि सहयोग के लिए कार्य योजना 2021-2024 का समर्थन करते हैं और सतत विकास कार्यसूची 2030 को प्राप्त करने के लिए उद्देश्यों को साकार करने हेतु घनिष्ठ पारस्परिक सहयोग और समझ के प्रति आशान्वित हैं।

खाद्य सुरक्षा तथा पोषण के लिए कृषि जैव विविधता

7. यह देखते हुए कि ब्रिक्स के सभी सदस्य जैविक विविधता पर कन्वेंशन के हस्ताक्षरकर्ता हैं, वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क 2020 के पश्चात जारी परिचर्चाओं को ध्यान में रखते हुए, और कृषि

जैव विविधता के महत्व को पहचानते हुए, विशेष रूप से जलवायु सहय, जैव तनाव सहिष्णु और फसलों की जंगली प्रजातियों के संरक्षण के संदर्भ में, हम पौधों की किस्मों के संरक्षण और स्थायी कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम ब्रिक्स देशों के कृषि सहयोग के लिए 2021-2024 की कार्य योजना में खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए कृषि जैव विविधता के विषय को शामिल करने के महत्व को रेखांकित करते हैं। बहुक्षेत्रीय उपागम के माध्यम से विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के मध्य प्रभावों और तालमेल को इष्टतम करने के लिए जैव विविधता उद्देश्यों को सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप किया जाएगा।

8. हम जैव विविधता के महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक उपकरण के रूप में पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और जैव विविधता के मूल्यांकन की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए पर्यावरणीय स्थिरता और आर्थिक विकास के बीच बेहतर संतुलन के लिए जैव विविधता को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता की पुष्टि करते हैं। हम सभी हितधारकों के साथ साझेदारी में कृषि में उपयुक्त तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हैं जो नीतियों और कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में सक्षम कर सकते हैं तथा पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति, विज्ञान समर्थित, और खाद्य सुरक्षा और पोषण में वृद्धि के लिए स्थानीय खाद्य प्रणाली का सम्मान करते हुए स्थायी कृषि सुनिश्चित कर सकते हैं।

लघु एवं पारिवारिक किसान-सहकारिता के माध्यम से सशक्तिकरण

9. संयुक्त राष्ट्र परिवारिक कृषि दशक 2019-28 की शुरुआत को महत्त्व देते हुए, हम खुले, समावेशी और सहयोगात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से अपने देशों के छोटे और पारिवारिक किसानों के कल्याण के लिए सहयोग की पुष्टि करते हैं।

10. हम पारंपरिक ज्ञान, संसाधनों, तकनीकी प्रसार और उसे अपनाने तथा सबसे महत्वपूर्ण रूप से खेती को निर्वाह से उद्यम के रूप में रूपांतरित करने के साधन के रूप में व्यक्तिगत किसानों के बीच सहकारिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेते हैं। हम मानते हैं कि छोटे जोतधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए तकनीकी और सलाहकार सेवाओं, क्षमता निर्माण तथा बाजारों तक पहुंच में निरंतर सुधार करना आवश्यक है।

11. हम ग्रामीण अवसंरचनात्मक ढांचे, विशेष रूप से फसलोपरांत प्रबंधन को मजबूत करने के लिए निवेश में वृद्धि हेतु निजी क्षेत्र से भी आशा करते हैं और जिससे खाद्य हानि और अपशिष्ट में कमी लाई जा सकती है और कृषि आय में वृद्धि की जा सकती है तथा अधिक सहय कृषि मूल्य श्रृंखला का निर्माण हो सकता है। हम संसाधनों तक समान पहुंच, निर्णय लेने में सबकी सहभागिता और लाभ को साझा करने के मामले में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सतत मत्स्य पालन और जलीय कृषि

12. ब्रिक्स देशों में लाखों लोगों के लिए मत्स्य पालन और जलीय कृषि आजीविका और खाद्य सुरक्षा का एक प्रमुख स्रोत है। ब्रिक्स देश मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में विशेष रूप से खाद्य सुरक्षा और पोषण तथा पारंपरिक मछुआरा समुदायों सहित आबादी की आजीविका के लिए आर्थिक विकास के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करेंगे।

खाद्य सुरक्षा और एसपीएस

13. हम पशुधन क्षेत्र पर अतिरिक्त बोझ डालने वाली बीमारियों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हैं। हम खाद्य सुरक्षा में निवेश के स्तर को बढ़ाने और बेहतर परिणामों तथा प्रभाव के लिए देशवार क्षेत्रों की पहचान करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। हम विशेषज्ञ समूह की बैठक में खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से खतरों और वस्तुओं को प्राथमिकता देने और ब्रिक्स देशों पर केंद्रित एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा की आवश्यकता को महत्त्व देते हैं। ब्रिक्स निर्यात मान्यता प्रक्रियाओं में सामंजस्य स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत स्वच्छता और फाइटोसैनिटरी मानकों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देगा।

वित्तीय समावेशन : कृषि को लाभदायक बनाना

14. हम जोखिम प्रबंधन और लचीलेपन के निर्माण के लिए सुलभ संस्थागत ऋण और बीमा का आश्वासन देकर किसानों के वित्तीय समावेशन की आवश्यकता को समझते हैं। यह विशेष रूप से छोटे जोतधारकों और पारिवारिक किसानों को निर्वाह खेती से लेकर बाजारों हेतु उत्पादन करने के लिए स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। हम इस तथ्य से अवगत हैं कि कोविड-19 महामारी के तहत लॉकडाउन और सीमाओं को बंद करने के कारण स्वास्थ्य संकट कई देशों में तेजी से आर्थिक संकट में बदल गया, जिससे आवश्यक सेवाएँ और आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई। ऐसी परिस्थितियों में किसानों और छोटे तथा मध्यम कृषि उद्यमों के लचीलेपन को सरल नियमों के साथ वित्तपोषण बढ़ाकर; वित्तीय प्रबंधन, विश्लेषण और उपलब्धता के लिए आईटी सक्षम रणनीतियों से बढ़ावा मिल सकता है।

जलवायु अनुकूल कृषि में वृद्धि करना

15. यह समझते हुए कि जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा और कृषि उत्पादकों की आजीविका के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है, हम सतत विकास लक्ष्यों के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करने और संसाधनों तथा ज्ञान को साझा करने की आवश्यकता को दोहराते हैं। हम आगे संकल्प करते हैं कि ब्रिक्स देश कृषि उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन प्रभावों

के अनुकूल होने के लिए सस्ती और कुशल प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु सहयोगात्मक अनुसंधान करेंगे।

16. हम सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने, निगरानी और पूर्व चेतावनी तथा रिपोर्टिंग सिस्टम पर एक साथ काम करने, खाद्य हानि को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन के लिए छोटे जोतधारकों की अनुकूलन क्षमता में सुधार करने के लिए ब्रिक्स सहयोग बढ़ाने पर सहमत हैं।

व्यापार सुविधा

17. हम मानते हैं कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने और पर्याप्त पोषण सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कृषि-खाद्य व्यापार महत्वपूर्ण है। हम यह भी मानते हैं कि बाजार के पूर्वानुमान को बढ़ाना और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से बचना भोजन की सतत पहुंच सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। हम विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अनुरूप एक खुली, पारदर्शी, समावेशी और गैर-भेदभावपूर्ण बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के महत्व को दोहराते हैं।

निष्कर्ष

18. हम आपसी सहकारिता और सहयोग के माध्यम से ब्रिक्स देशों के कृषि सहयोग के लिए कार्य योजना 2021-2024 के उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

19. हम ब्रिक्स के कृषि मंत्रियों की 11वीं बैठक आयोजित करने के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत गणराज्य के प्रयासों की सराहना करते हैं और हम चीन जनवादी गणराज्य को अपना समर्थन और प्रोत्साहन व्यक्त करते हैं, जो 2022 में अगली बैठक की मेजबानी करेगा।